यूटीयू कुलपति ने किया दो निजी संस्थानों का औचक निरीक्षण

फैकल्टी नहीं होने और छात्रों की कम उपस्थिति पर दी चेतावनी

उत्तर उजाला ब्यूरो

देहरादून। वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल (यूटीयू) के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने मंगलवार को सेलाकुई स्थित सम्बद्ध निजी इंजीनियरिंग संस्थान माया इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी का औचक निरीक्षण किया।इस संस्थान को लेकर ई मेल के माध्यम से बीटैक इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में अध्यापन कार्य के लिए शिक्षक उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें प्राप्त हो रही थी। इन्हीं शिकायतों को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह और परीक्षा नियंत्रक डा.वीके पटेल ने संयुक्त रूप से इस कॉलेज का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण में संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था की खामियों को देख कर कुलपति ने सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी निदेशक को निर्देशित करते हुए सख्त हिदायत देते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अविलम्ब फैकल्टी की व्यवस्था करें।जिससे कि छात्रों के पठन-पाठन से संबंधित कार्यों का सुचारू रूप से संचालन हो सके। विश्वविद्यालय की ओर से संस्थान को पत्र के माध्यम से भी निर्देशित करते हुए कहा कि नियामक परिषद (एआईसीटीई) और विश्वविद्यालय अधिनियम के अन्तर्गत मानक के अनुसार भूमि, भवन, फैकल्टी, पुस्तकालय व अन्य सुविधाओं का पालन न करके घोर लापरवाही दिखाई है। मौके पर ही संस्थान को सख्त हिदायत देते हुए कहा गया है कि यदि इस प्रकार की शिकायत भविष्य में प्राप्त हुई तो नियमत: संस्थान के खिलाफ विश्वविद्यालय को कार्रवाई करने को बाध्य होना पड़ेगा,जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संस्थान प्रबन्धन की होगी। इसके उपरान्त झाझरा स्थित गुरूनानक कॉलेज ऑफ फार्मेसी का एकैडमिक औचक निरीक्षण भी किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने सभी सम्बद्ध संस्थानों को चेतावनी के साथ स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले छात्र-छात्राओं को किसी भी दशा में आगामी विषय सेमेस्टर की मुख्य परीक्षाओं में बैठने की अनुमति नहीं दी जायेगी।कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे हर सम्भव उचित प्रयासों का अक्षरश: पालन करें,ताकि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके।